

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कंगोविन्दागढ़ (अलवर)

प्रकरण सं.

नॉंरनू

बदल

नाम अवधक जयपुर डिहकात

6.2.22 वकील वादी उपस्थित। यह दावा वकील  
वादी ने पेश किया। इज्जत पत्रिका हो। प्रतिवादी  
गण जय समत तल ही। पत्रावली वा इन्हें  
तलही प्रतिवादी दिनांक 1-1-22 को पेश की।

उपखण्ड अधिकारी  
गोविन्दागढ़ (अलवर)

21.1.22 वकील वादी उपस्थित। प्रतिवादी गण की तलही  
जारी है। पत्रावली दिनांक 16.2.22 को पेश की।

उपखण्ड अधिकारी  
गोविन्दागढ़ (अलवर)

16.2.22 वकील वादी उपस्थित। प्रतिवादी गण की तलही  
इस पत्रावली दिनांक 16.3.22 को पेश की।

उपखण्ड अधिकारी  
गोविन्दागढ़ (अलवर)

16.3.22

बकुलार फरीकन उप०/P.O. साहब


..... है।

पत्रावली दिनांक 13.4.22 को पेश हो

रीडर

**फर्द अहकाम**  
**न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, गोविन्दगढ जिला अलवर**

.....बनाम.....  
खालू जापुर डिस्ट्रिक्ट  
 प्रकरण सं.....113/2022..... तारीख रजू.....06.11.22.....

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो जारी हुआ
<u>09.2.24</u>	<p style="margin-left: 20px;">11.1.24 पत्रावली पेश। P.O. साहब.....<u>M.D.S.M.</u>                      .....<u>केस</u> कार्य में <u>पत्रावली</u> है।                      पत्रावली दिनांक <u>09/2/24</u> को पेश हो।  <span style="float: right;"><u>रज</u> रीडर</span></p> <p>पत्रावली प्रस्तुत हुई पत्रावली दीर्घायन से तलवी में है। तलवी हेतु छार-छार अवसर प्रदान किये गये हैं। अंतिम अवसर के रूप में अर्बेक अवसर दिये गये हैं। इसके उपरोक्त आडिवांक तदु उपनिर्देशों की तलवी हेतु पुनः तलखाना पेश नहीं किया है।</p> <p>दिविदित प्रो संरक्ति के आदेश 9 नियम 05 के आलेख में दावा खारिज किया जाना उचित प्रतीत होता है। दावा CPC के आदेश 9 नियम 05 के अलेख में खारिज किया जाता है। पत्रावली केवल शूमार दोफर नम्बर से कम हो। बाद ताबिल तकबिल दाखिल दफ्तर है।</p> <p style="text-align: center;">  <b>उपखण्ड अधिकारी</b>  <b>गोविन्दगढ (अलवर) राज०</b></p>	<p><u>साहब</u> 7</p>